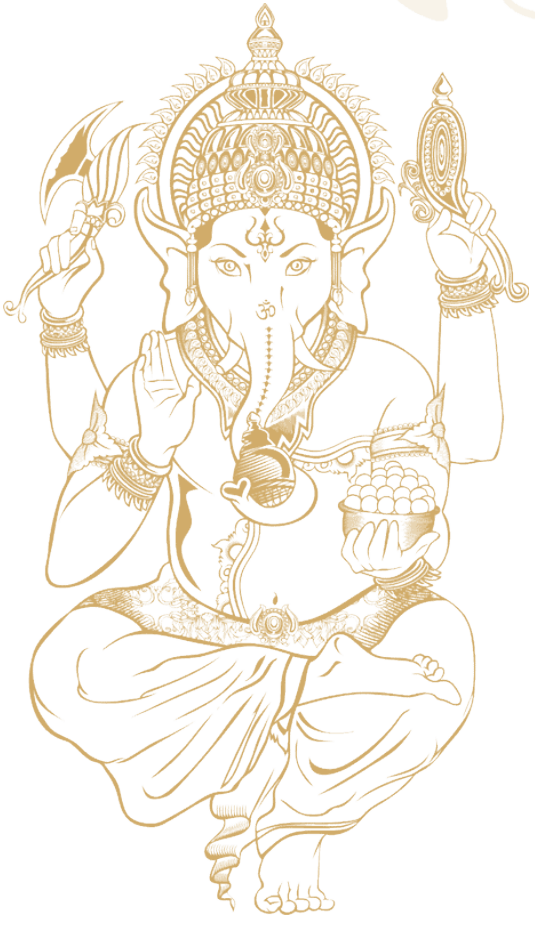

Priyanshi kumari

21 Sep 2020

11:53 PM

Begusarai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121849602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/09/2020**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:53:00 घंटे**
इष्ट	45:47:56 घटी
स्थान	**Begusarai**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:25:00 उत्तर
रेखांश	86:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:07:32 घंटे
वेलान्तर	00:06:59 घंटे
साम्पातिक काल	00:11:53 घंटे
सूर्योदय	05:33:49 घंटे
सूर्यास्त	17:42:37 घंटे
दिनमान	12:08:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:04:43 कन्या
लग्न के अंश	19:10:51 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	विष्कुम्भ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नन्दिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:10:51	317:42:10	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	05:04:43	00:58:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	05:10:35	14:21:31	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल	व		मेष	02:58:27	00:10:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			कन्या	29:05:32	01:17:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			धनु	23:23:16	00:01:41	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			कर्क	23:04:21	01:08:15	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	01:14:27	00:00:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृष	29:48:32	00:02:15	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:48:32	00:02:15	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	16:00:16	00:01:41	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	25:07:57	00:01:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:23:03	00:00:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	09:05:24	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:30

लग्न-चलित

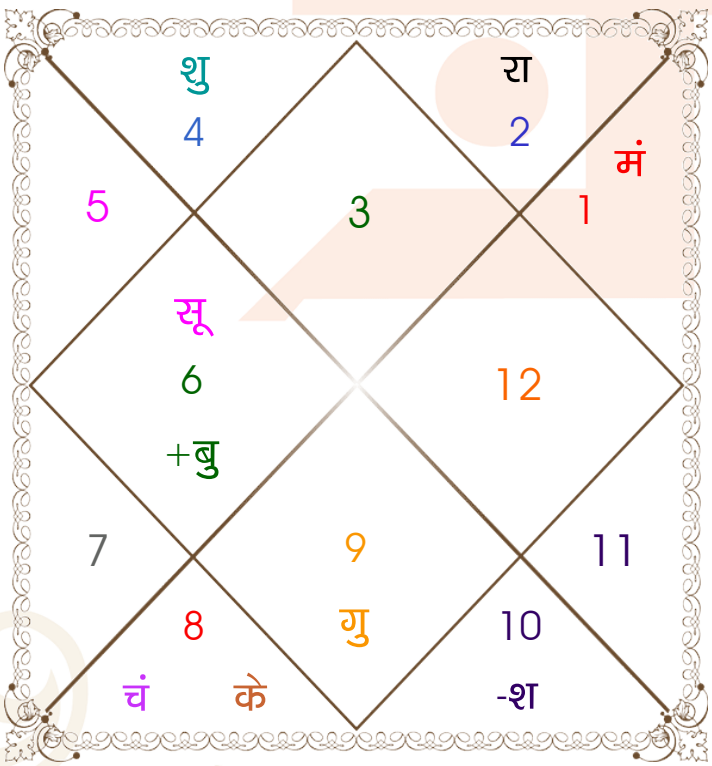

चन्द्र कुंडली

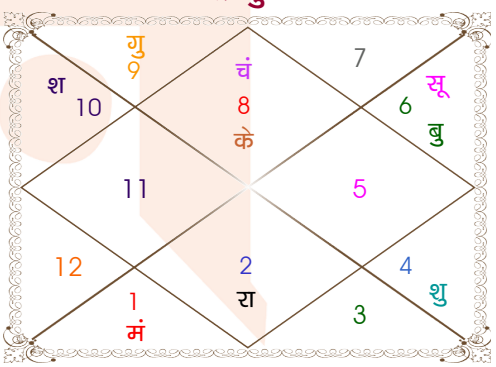

नवमांश कुंडली

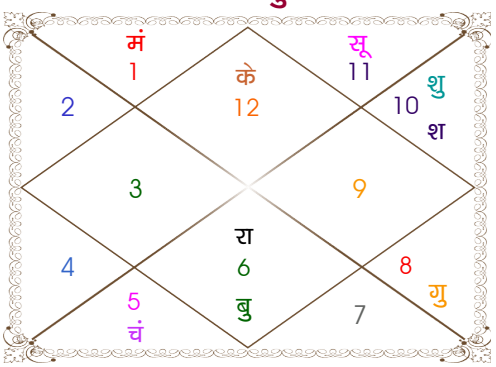

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 4 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/09/2020		05/02/2037		05/02/2054		05/02/2061		05/02/2081	
05/02/2037		05/02/2054		05/02/2061		05/02/2081		06/02/2087	
शनि	08/02/2021	बुध	05/07/2039	केतु	04/07/2054	शुक्र	07/06/2064	सूर्य	26/05/2081
बुध	19/10/2023	केतु	01/07/2040	शुक्र	04/09/2055	सूर्य	07/06/2065	चंद्र	24/11/2081
केतु	27/11/2024	शुक्र	02/05/2043	सूर्य	09/01/2056	चंद्र	06/02/2067	मंगल	01/04/2082
शुक्र	28/01/2028	सूर्य	07/03/2044	चंद्र	09/08/2056	मंगल	07/04/2068	राहु	24/02/2083
सूर्य	09/01/2029	चंद्र	07/08/2045	मंगल	06/01/2057	राहु	07/04/2071	गुरु	13/12/2083
चंद्र	10/08/2030	मंगल	04/08/2046	राहु	24/01/2058	गुरु	06/12/2073	शनि	24/11/2084
मंगल	19/09/2031	राहु	20/02/2049	गुरु	31/12/2058	शनि	05/02/2077	बुध	30/09/2085
राहु	26/07/2034	गुरु	29/05/2051	शनि	09/02/2060	बुध	07/12/2079	केतु	05/02/2086
गुरु	05/02/2037	शनि	05/02/2054	बुध	05/02/2061	केतु	05/02/2081	शुक्र	06/02/2087

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/02/2087		05/02/2097		07/02/2104		06/02/2122		06/02/2138	
05/02/2097		07/02/2104		06/02/2122		06/02/2138		00/00/0000	
चंद्र	07/12/2087	मंगल	04/07/2097	राहु	20/10/2106	गुरु	26/03/2124	शनि	22/09/2140
मंगल	07/07/2088	राहु	23/07/2098	गुरु	15/03/2109	शनि	08/10/2126		00/00/0000
राहु	06/01/2090	गुरु	29/06/2099	शनि	20/01/2112	बुध	13/01/2129		00/00/0000
गुरु	08/05/2091	शनि	07/08/2100	बुध	08/08/2114	केतु	20/12/2129		00/00/0000
शनि	06/12/2092	बुध	05/08/2101	केतु	26/08/2115	शुक्र	20/08/2132		00/00/0000
बुध	08/05/2094	केतु	01/01/2102	शुक्र	26/08/2118	सूर्य	08/06/2133		00/00/0000
केतु	07/12/2094	शुक्र	03/03/2103	सूर्य	21/07/2119	चंद्र	08/10/2134		00/00/0000
शुक्र	06/08/2096	सूर्य	09/07/2103	चंद्र	19/01/2121	मंगल	14/09/2135		00/00/0000
सूर्य	05/02/2097	चंद्र	07/02/2104	मंगल	06/02/2122	राहु	06/02/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।